



श्रेणी: दस (भगवद गीता) समाजक पी पघान



अध्याय 4: कृषि

बहु विकल्पीय प्रश्न:-

(i) निम्नलिखित में से किसे हरित क्रांति का जनक माना जा सकता है?

(a) एम.एस. स्वामीनाथन (b) एम.एस. रंधावा

(c) एम.एस. जोशी

(एस) एम.एस. कृष्णमूर्ति

उत्तर:- एम.एस. समीनाथन

(ii) कृषि को आर्थिक प्रक्रिया कहा जाता है।

(ए) प्राथमिक

(ख) सहायक

(ग) तृतीय श्रेणी

(एस) चौथी कक्षा

उत्तर:- मध्य प्रदेश

(iii) देश का नौ प्रतिशत कार्यबल कृषि क्षेत्र में क्यों कार्यरत है?

(ए) 40%

(बी) 42%

(सी) 44%

(एस) 45%

उत्तर:- 44%

(iv) कृषि का सबसे महत्वपूर्ण प्रकार क्या है?

(क) निर्वाह खेती

(b) यथास्थान कृषि

(ग) बटेर पालन

(एस) इनमें से कोई भी दूर-दूर तक समान नहीं है।

उत्तर:- गजारा या निर्वाह खेती

(v) HYV बीजों का क्या उपयोग है?

(a) उच्च पीली किस्म (c) क्वेक पीली

(b) खामकलां पीली किस्म

किस्म उत्तर:- उच्च उपज देने वाली किस्म

(एस) इनमें से कोई भी दूर-दूर तक समान नहीं है।

(vi) "एरेशन फीड" का क्या अर्थ है?

(a) भारत में बाढ़ से (c) संख्याओं

(b) दूध उत्पादन द्वारा

के उत्पादन से

(c) क्रिया जोड़कर

के जवाब उत्पाद का नाम

(vii) चाय, कॉफी और तम्बाकू के क्या प्रभाव हैं?

(क) गन्ने की फसलें

(b) पेय फसलें

(ग) सूखी फसलें

(एस) ए और बी दोनों

उत्तर - A और B दोनों।

(viii) विश्व में चावल का सबसे बड़ा उत्पादक देश कौन सा है?

(a) पंजाब का मैदान (b) रसमीर की घाटी

(c) तकमलना उदेघाट

(एस) एस नरदावन

उत्तर:- एस डरबन

(ix) उत्पादन क्षेत्र किससे संबंधित है?

(क) चाय उत्पादन

(b) तांबा उत्पादन

(ग) गन्ना उत्पादन

(c) रापा उत्पादन

उत्तर:- अपनी आवाज ऊंची मत करो।

(x) सही माप करें:-

(i) धान, उड़द, बाजरा

(क) लघु कहानी

(ii) विरियन

(ख) ग्रीष्मकालीन फसलें

(iii) एम.एस. रंधावा

(ग) खरीफ फसलें

(iv) बाजरा, सरोन, रानार

(d) पंजाब कृषि विश्वविद्यालय

उत्तर:-

(i) धान, उड़द, बाजरा

(ग) खरीफ फसलें

(ii) वी. आर. रियान

(क) लघु कहानी

(iii) एम.एस. रंधावा

(घ) पंजाब कृषि विश्वविद्यालय

(iv) बाजरा, सरसों, रानार

(ख) रबी फसलें

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 30 शब्दों में दीजिए -

(i) भारत का दसवाँ राज्य 'चमत्कारों का बगीचा' क्यों है?

उत्तर:- भारत में राजस्थान राज्य को 'मसालों का बगीचा' कहा जाता है। भारत में राजस्थान राज्य को 'मसालों का बगीचा' कहा जाता है।

यह एक गर्म और आर्द्र जलवायु वाला राज्य है। यह देश के मैदानी इलाकों में स्थित है और नदियों से घिरा हुआ है।

मालाबार मैदान और पश्चिमी घाट की मिट्टी मसालों की खेती के लिए सर्वोत्तम है।

कच्छ राली कमर्च, हल्दी, छोटी इलायची, लोंग, वेनिला, रामबोज (मालाबार इमली), केसर, दालचीनी और रामीज़

आकद की परम्परा सर्वविदित है।

(ii) भारत में कृषि की क्या भूमिका है? अर्थव्यवस्था में कृषि की क्या भूमिका है?

उत्तर: पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना 1962 में कच्छ में हुई थी। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय ने खाद्यान्न उत्पादन और हरित क्रांति के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कृषि विश्वविद्यालय ने पशुधन और मुर्गीपालन के विकास में भी सहयोग दिया है।

1995 में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय को सूखा प्रबंधन में अपने अनुसंधान और उपलब्धियों के लिए 'सर्वश्रेष्ठ' की उपाधि से सम्मानित किया गया।

'विश्वविद्यालय' की उपाधि दी गई। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में चार संकाय हैं: कृषि संकाय, गृह अर्थशास्त्र संकाय, व्यवसाय विज्ञान संकाय और मानविकी संकाय। इसमें 28 विभाग हैं जिनसे 31 मास्टर और पीएचडी कार्यक्रम संबद्ध हैं। (iii) GHI और DEX में क्या अंतर है? उत्तर- वैश्विक भूख सूचकांक को विश्व भूख का सूचक माना जाता है। यदि किसी देश की आर्थिक स्थिति का आलोचनात्मक अध्ययन करना हो, तो भूख सबसे अच्छा संकेतक है। यह सूचक 4 संकेतकों पर आधारित है।

है:-

- पौष्टिक भोजन तक सीमित पहुंच वाली आबादी।
- पांच वर्ष से कम आयु के कम वजन वाले बच्चों का प्रतिशत।
- पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में कुपोषण दर।
- पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में मृत्यु दर।

(iv) हमारे लिए कृषि का क्या महत्व है? उत्तर:- भारत

में विश्व का सबसे बड़ा कृषि योग्य भूमि क्षेत्र है। वर्तमान में, 43% भूमि पर कृषि की जाती है। देश में रहने वाले लगभग 88 मिलियन लोगों की आजीविका निर्वाह कृषि पर निर्भर है। भारत में विविध जलवायु परिस्थितियों के कारण, यहाँ विभिन्न प्रकार की फसलें उगाई या उगाई जाती हैं। देश में रहने वाले लोगों की ज़रूरतें कृषि के माध्यम से पूरी होती हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 20.2% (2021-22) है।

(v) खेत में उगाई जाने वाली फसल का नाम क्या

है? उत्तर- इस प्रकार की खेती उपज को सीधे बाज़ार में बेचने के लिए की जाती है। इस प्रकार की खेती मुख्यतः कम आबादी वाले क्षेत्रों में खराब तरीकों से की जाती है। इस प्रकार की खेती भारत में आम नहीं है, लेकिन पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात के इलाकों में की जाती है। चाय, किशमिश, रबर, नारियल, शलजम, गन्ना और मसाले आदि सीधे बाज़ार में बेचने के लिए उगाए जाते हैं। इन वस्तुओं का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार भी होता है।

(vi) खरीफ फसलों और खरीफ फसलों में क्या अंतर है?

उत्तर:- खरीफ फसलों में मुख्य रूप से धान, उड़द, मूंग, आम, गन्ना, सोयाबीन, ज्वार, बाजरा, मूंगफली, जूट और तिलहन आदि शामिल हैं। इन फसलों की बुवाई का समय 1 जून से मध्य सितंबर तक होता है। देर से होने वाली नमी युक्त मानसूनी वर्षा इन फसलों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। ये फसलें अधिकतर गर्म और आर्द्र मौसम पर निर्भर करती हैं।

(vii) क्या घिट-घिट के समर्थन का परीक्षण करने का कोई तरीका है?

उत्तर: न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) वह मूल्य है जिस पर सरकार किसानों से खाद्यान्न खरीदती है। न्यूनतम समर्थन मूल्य

समर्थन मूल्य निर्धारित करते समय निम्नलिखित कारकों को ध्यान में रखा जाता है:

(1) मांग और आपूर्ति

(2) उत्पादन लागत

(3) अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू बाजार विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव।

(4) फसल की कीमतों में आपसी मतभेद

(5) कृषि और गैर-कृषि वस्तुओं के व्यापार की शर्तें

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 120 शब्दों में दीजिए -

(i) कृषि के प्रकारों पर दिए गए नोट्स पढ़ें।

उत्तर:- भारत में विभिन्न क्षेत्रों की भौगोलिक एवं पर्यावरणीय परिस्थितियाँ भिन्न-भिन्न हैं, तथा राई की कृषि पद्धति को इस प्रकार जाना जाता है:-

1. स्थानिक-औद्योगिक खेती: स्थानिक-औद्योगिक खेती केवल ग्रामीण और वन क्षेत्रों में ही की जाती है। ऐसी खेती में, किसान

हर दो से तीन साल में जंगलों को जलाना, पेड़ों को उखाड़ना, भूमि को कृषि योग्य बनाना और पारंपरिक औजारों से खेती करना।
हाँ।

2. निर्वाह कृषि - किसानों की वह कृषि जब फसलें केवल अपने परिवार के लिए उगाई जाती हैं और उपज को बाजार में बेचा जाता है।

इसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए, क्रॉस-क्रॉपिंग को निर्वाह खेती कहा जाता है।

3. ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती आबादी के साथ, ज़मीन के टुकड़े छोटे होते जा रहे हैं। किसान इन छोटे-छोटे ज़मीन के टुकड़ों पर काम कर रहे हैं।

उच्च उपज देने वाले बीजों, जैविक खाद, रासायनिक उर्वरकों, रेटिनोइड्स और सिंचाई सुविधाओं के उपयोग में वृद्धि हो रही है।

वे बदला लेने के लिए उत्सुक हैं।

4. धान के खेतों में जुताई की संख्या बढ़ रही है। बुवाई से लेकर फसल की कटाई तक, ज़्यादातर काम

रम मशीनों से बनाई जाती है।

5. बाज़ारी खेती - इस प्रकार की खेती उपज को सीधे बाज़ार में बेचने के लिए की जाती है। यह खेती कम आबादी वाले क्षेत्रों में अर्ध-शुष्क तरीकों से की जाती है।

6. बागान खेती - बागान खेती में, कृत्रिम तरीकों का उपयोग करके नियंत्रित तरीके से फसलें उगाई जाती हैं। ऐसी खेती का उद्देश्य है

हमें उपज से अधिक से अधिक लाभ कमाना होगा।

7. बाकरी या खरीफ फसल क्या है:- लंबी पंक्ति की खेती विशिष्ट पर्यावरणीय परिस्थितियों में पानी पर उन्नत बीजों का उपयोग करके ट्रे में फसलों की खेती है।

कृषि श्रमिकों का खुश रहना महत्वपूर्ण है।

8. मिश्रित खेती:- मिश्रित खेती में फसल उगाने के साथ-साथ पशुपालन भी शामिल है। यह खेती अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में की जाती है। किसान अच्छी उपज के लिए अर्ध-गहन और गहन, दोनों प्रकार की कृषि विधियों का उपयोग करते हैं।

बेहतर उपज प्राप्त करने के लिए फसल चक्र का उपयोग किया जाता है।

(ii) भारत में कृषि ऋतुएँ क्या हैं?

उत्तर:-भारत में विविध जलवायु, भिन्न मिट्टी, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियाँ हैं।

फसलें बोई जाती हैं। भारत में कृषि के मुख्य मौसम खरीफ या खवानी फसल, जायद/जायद-1 फसल, रबी या फसल और जायद/जायद-2 फसलें हैं।

1. खरीफ या ग्रीष्मकालीन फसलें:- खरीफ या ग्रीष्मकालीन फसलें मुख्य रूप से धान, उड़द, मूंग, आम, गन्ना,

सोयाबीन, ज्वार, बाजरा, मूंगफली, जूट, कपास आदि प्रमुख फसलों को शामिल किया गया है। इन फसलों की बुवाई

1 जून से मध्य सितंबर तक का समय होता है। नमी से भरपूर, देर से होने वाली मानसूनी बारिश इन फसलों के लिए फायदेमंद होती है।

इस शब्द का क्या अर्थ है? ये फसलें ज्यादातर गर्म और आर्द्र मौसम पर निर्भर करती हैं।

2. जायद/जायद-1 फसलें:- जायद फसलों में मुख्य रूप से सब्जियां और चारा शामिल हैं। ये फसलें

यह मौसम अगस्त से नवंबर तक रहता है। मानसून की वापसी, ठंडा तापमान और आर्द्र जलवायु इन फसलों के लिए फायदेमंद होते हैं।

3. रबी या शीतकालीन फसलें:- रबी या शीतकालीन फसलें मुख्य रूप से जौ, सरसों, राई, अलसी, मटर, सूरजमुखी, मक्का हैं।

ये फसलें नवंबर से मध्य मार्च तक सर्दियों के महीनों में बोई जाती हैं।

4. जायद/जायद-2 फसलें:- जायद फसलों में मुख्य रूप से सब्जियां और चारा शामिल हैं। ये फसलें

यह मौसम मार्च के आरंभ से मई तक रहता है। भरपूर धूप, गर्म और आर्द्र मौसम इन फसलों के लिए लाभदायक होता है।

(iii) भारत में चावल के उत्पादन का स्थान क्या है?

उत्तर:- रापाह रेशेदार फसलों में शामिल है। रापाह के उत्पादन के लिए आवश्यक परिस्थितियों का वर्णन इस प्रकार है:-

1. तमन- रापाह के उत्पादन के लिए तापमान लगभग 200 से 300 सेल्सियस होना चाहिए। रोहरा रहित मौसम 210 दिन का उपवास होना चाहिए।

2. पामी चाय:- राली कुमती या रेगुर कुमटी रफी रापा के उत्पादन के लिए फायदेमंद मानी जाती है।

3. किस्में:- किशमिश की मुख्यतः तीन किस्में होती हैं। लंबे तने वाली किशमिश, मध्यम तने वाली किशमिश, छोटे आकार के चावल। लंबे कटे हुए चावल को चावल का सबसे अच्छा प्रकार माना जाता है।

4. प्रमुख उत्पादक राज्य कौन से हैं:- भारत के प्रमुख उत्पादक राज्य गुजरात हैं, इसके बाद राजस्थान, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश हैं।

(iv) निम्नलिखित गद्यांश से पता लगाएं -

(क) देश का कॉफी हाउस - रणतार को भारत का कॉफी हाउस कहा जाता है। भारत का दूसरा सबसे बड़ा कॉफी हाउस रणतार है।

यहाँ सबसे अधिक उपज होती है। जिले की कृषि के लिए सबसे महत्वपूर्ण रणथंभौर, मैंगलोर, रंगू और हसन जिले हैं।

रणथंभौर ज़िला देश की 50% रफ़ी का उत्पादन करता है। मैसूर और शिमोगा ज़िले भी रफ़ी उत्पादन के लिए उपयुक्त हैं।

रोबस्टा और एरेका पाम किस्मों की विश्व भर में काफी मांग है। 80% पाम विकासशील देशों को निर्यात किया जाता है।

(ख) भारत का चाय बागान - असम को भारत का चाय बागान कहा जाता है। चाय की झाड़ी उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय जलवायु का पौधा है और असम की गर्म और आर्द्र जलवायु में अच्छी तरह उगती है। 200 से 300 सेल्सियस

चाय की खेती के लिए तापमान और 150 से 300 सेमी वार्षिक वर्षा आदर्श होती है। इसके अलावा, नमी, तेल और

सुबह की धुंध चाय के पौधों की वृद्धि के लिए अच्छी होती है। ये सभी जलवायु परिस्थितियाँ असम राज्य में पाई जाती हैं।

भारत के कुल चाय उत्पादन में असम का योगदान 52% है।

(ग) अनाज सुरक्षा - विश्व खाद्य सुरक्षा रिपोर्ट 2012 में जारी की गई थी। इस सूची में शामिल हैं

दुनिया की 70% आबादी अपनी बढ़ती आबादी का पेट भरने के लिए संघर्ष कर रही है। दुनिया की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ,

बढ़ती जनसंख्या और घटते खाद्य उत्पादन के साथ, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास लगातार विफल होते जा रहे हैं। यह वैश्विक खाद्य सुरक्षा सूचकांक 113 देशों से

संकलित किया गया है और 28 संकेतकों पर आधारित है। विकसित और विकासशील देशों में खाद्य सुरक्षा का अध्ययन इन्हीं संकेतकों पर आधारित है। वर्ष 2022 में,

113 देशों में भारत 71वें स्थान पर है।

(एस) पारंपरिक गन्ना उत्पादन क्षेत्र - तराई क्षेत्र पारंपरिक गन्ना उत्पादन क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। तराई

इलारा कामाख्या नदी के तल पर स्थित एक दलदली क्षेत्र है, जो पश्चिम से पूर्व की ओर कामाख्या नदी के साथ-साथ फैला हुआ है।

तराई का गन्ना क्षेत्र यमुना से लेकर बेहेमोथ तक उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और असम राज्यों से होकर बहता है।

यहाँ की गर्म और आर्द्र जलवायु गन्ने की खेती को प्रोत्साहित करती है। उत्तर प्रदेश सबसे अधिक उत्पादक राज्य है।

यह एक ऐसा राज्य है जहाँ उत्पादन फल-फूल रहा है।

(v) भारतीय कृषि का क्रॉस-सेक्शन इन अक्षरों का अर्थ क्या है?

उत्तर:- विश्वविद्यालयों ने भारतीय कृषि, खाद्य उत्पादन और हरित क्रांति के विकास में प्रमुख भूमिका निभाई है।

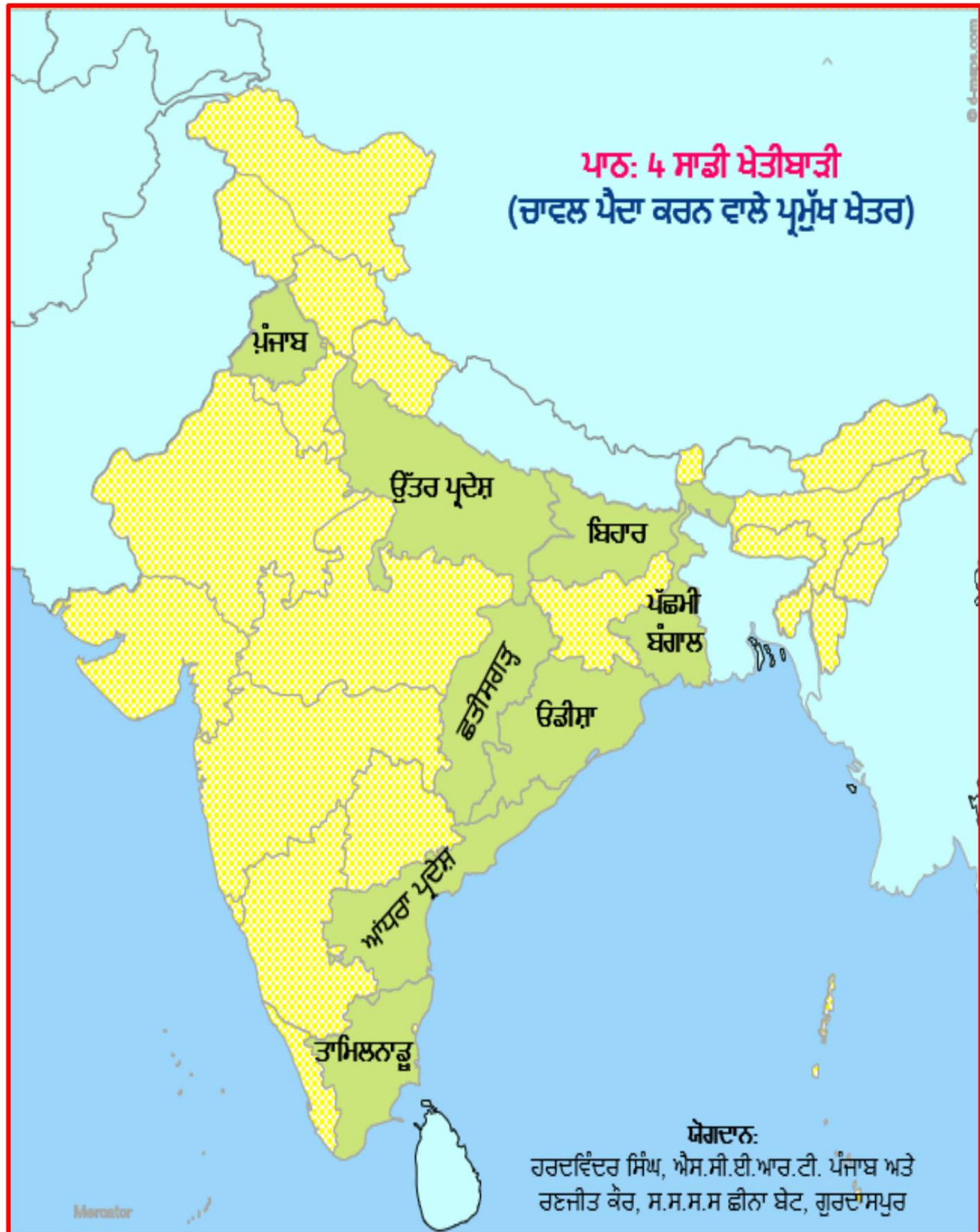
भारतीय विश्वविद्यालयों ने उत्पाद के उत्पादन के विकास में अग्रणी भूमिका निभाई है।

कृषि के विकास में भी विश्वविद्यालयों की बड़ी भूमिका रही है। फ़सलों की कटाई के बाद माल की बर्बादी को रोकना, किसानों के लिए मुनाफ़ा कमाने और ज़्यादा कमाई के ज़्यादा अवसर पैदा करना।

• कृषि व्यवसाय, सुरक्षित भोजन, घरेलू और विदेशी

विश्वविद्यालयों ने भी देश के पुनरुद्धार में अग्रणी भूमिका निभाई है।

ਸਾਨਚਿਤਰ ਛਾਣ





ACTIVITY

अपने गाँव या आस-पास के गाँवों में जाकर वहाँ उगाई जाने वाली फसलों के बारे में जानकारी प्राप्त करें। पशुओं को देखें। गाँव के मुखिया और अन्य महत्वपूर्ण लोगों से मिलकर खेती-बाड़ी के बारे में जानकारी प्राप्त करें और निम्नलिखित प्रश्न पूछें।

कोई चिंता नहीं:-

- (i) इस क्षेत्र में प्रतिवर्ष कितनी फसलें बोई जाती हैं?
- (ii) शीतकाल एवं ग्रीष्मकाल (रबी एवं खरीफ) की फसलें कैसे उगाई जाती हैं?
- (iii) सूखी फसलों को कम पानी की आवश्यकता होती है और सूखी फसलों को कितने पानी की आवश्यकता होती है?
- (iv) सिंचाई के साधन क्या हैं?
- (v) कृषि के अलावा किसानों की आजीविका के साधन क्या हैं?
- (vi) क्या किसानों के लिए कृषि उपज बेचने वाली कोई वस्तुनिष्ठ स्टोर या दुकानें हैं?
- (vii) अनाज के लिए बाजार तक कैसे पहुंचा जा रहा है?
- (viii) क्या वर्षा जल संचयन तकनीकें लागू हैं या नहीं?
- (ix) कौन से नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग किया जा रहा है?
- (x) सूर्य कितनी रोशनियाँ बनाए रखता है?

(1) डर के कारण कच्चे बीज जमीन में क्यों बोये जाते हैं?

➡ फसलें वर्ष में लगभग 4 बार बोई जाती हैं - खरीफ या खरीफ फसल, जायद/जायद-I

फसलें, रबी या रबी फसलें, जायद/जायद-2 फसलें।

(ii) क्या शीतकालीन और ग्रीष्मकालीन (रबी डेरिफ) जाल तय हैं?

➡ एम⁴ रबी या शीतकालीन फसलें - जौ, राई, सरसों, अलसी, मटर, सूरजमुखी, मक्का और चना आदि।

➡ एम⁴ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन फसलें - धान, उड़द, मूंग, रतालू, गन्ना, सोयाबीन, ज्वार, बाजरा, मूंगफली, कपास और कपास आदि।

(iii) जितना अधिक आप जानेंगे, उतना ही अधिक आप जानेंगे।

⁵ क्या मुझे और अधिक जानना चाहिए?

➡ वे फसलें जिन्हें कम पानी की आवश्यकता होती है - जौ, सरसों, अलसी, मटर, मसूर और चना।

➡ अधिक पानी की आवश्यकता वाली फसलें: धान, गन्ना, जूट।

(iv) सिंचाई के साधन क्या हैं?

➡ ट्यूबवेल, कुआँ, नल का पानी, वर्षा।

(v) कृषि में किसानों की आजीविका के साधन क्या हैं?

→ पशुपालन, मुर्गीपालन, बागवानी, गन्ना खेती, किला निर्माण, आटा पिसाई

छोटे पेड़ (रान) आदि लगाना या लगाना।

(vi) क्या कोई किसान सहकारी समितियां या कृषि उपज बेचने वाली सहकारी समितियां हैं?

→ हां, कार्यात्मक रोल स्टोर या कृषि उत्पाद स्टोर हैं जहां उर्वरक, बीज और कीटनाशक उपलब्ध हैं।

शहर में दवाइयाँ उपलब्ध हैं। शहर में रोल स्टोर भी उपलब्ध हैं।

(vii) बाजार में कितना अनाज उपलब्ध है?

→ किसान अपना अनाज ट्रैक्टर-ट्रॉली या ट्रक से मंडी तक पहुँचाते हैं। कई किसान गरीब किसान हैं।

वे अपनी फसलें भी बेचते हैं

(viii) क्या वर्षा जल एकत्र करने की कोई तकनीक है या नहीं?

→ वर्षा जल संचयन का प्रयोग कई घरों और खेतों में किया जा रहा है, लेकिन यह अभी तक सभी देशों में आम नहीं है।

ऐसा नहीं हुआ।

(ix) नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा है?

→ कई घरों और बगीचों में सौर पैनल लगाए गए हैं। कई घरों में बायोगैस संयंत्र भी लगाए गए हैं।

(x) तालाब की रोशनी का रिकॉर्ड किस प्रकार भिन्न है?

→ पटवारी छावनी की लाइटें रखता है। यह लाइट उसके जिले की तहसील और पंजाब क्षेत्र को दी जाती है।

सीआरएआर पोर्टल पर भी उपलब्ध है।

2. किसी किसान के घर जाकर वहाँ की बूढ़ी महिलाओं से उनके जीवन के अनुभव पूछिए। वे अपने जन्म के दिन पटुहार मनाती थीं। उनकी तस्वीर किताब में रखें या रिकॉर्ड पर दर्ज करें।

मान लीजिए आप अपनी दादी के घर कृषि के बारे में बात करने गए और उनसे उनके अनुभवों के बारे में पूछा और निम्नलिखित जानकारी प्राप्त हुई:

क्षेत्र के अनुभव

1. पहले खेती बहुत ही साधारण तरीके से की जाती थी। खाद और कीटनाशकों का इस्तेमाल बहुत कम होता था।
2. बैलों का उपयोग खेतों की जुताई के लिए किया जाता था।
3. अधिकांश लोग पानी के लिए झरनों, कुओं और वर्षा पर निर्भर थे।
4. लोग अपने खेतों में स्वयं काम करते थे।
5. महिलाएँ कृषि कार्य भी करती थीं जैसे फसल बोना, फसलों की निराई करना और अनाज साफ करना।

शीर्षक:

- कटाई: फसल की कटाई से पहले।
- पी साही: नई फसल का आगमन और कपान क्वच मेला।

- माघी और पिन्या: कप्पा के सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान।
- उत्तर: प्रक्रिया सरल थी और प्रकाश उज्ज्वल था।

3. कृषि क्षेत्र में नीतियों और रुझानों के बारे में समाचारों में समय-समय पर होने वाले परिवर्तनों पर अपने साथियों के साथ चर्चा करें।

में

छात्र का कारण क्या है?

1. समाचारों पर शोध करें - अजीत, जगबानी, पंजाब रिव्यू या किटिकबून आदि समाचार पत्रों से कृषि से संबंधित नीतियों, योजनाओं या सुधारों के बारे में समाचार खोजें।
उदाहरण के लिए "किसानों के लिए नया सारिम", "कृषि काबुल", "सब्सिडी नीति", "आयोजक खेती उत्साह", आदि।
2. काटने की विधि - समाचार की जड़ या पत्ती की एक कटिंग लें या कागज़ का एक छोटा टुकड़ा लें। प्रत्येक कटिंग पर तारीख लिखें और एक संक्षिप्त सारांश लिखें: यह समाचार मसीह के बारे में है।
3. परिवर्तनों पर ध्यान दें - जब भी कोई नई खबर आती है, तो पुराने और नए विचार बदल जाते हैं।
रोओ मत.
4. नियमित चर्चा - अपने शिक्षक को बताएँ कि आपने क्या सीखा और क्या नहीं। अगर शिक्षक विषय पर और जानकारी देते हैं, तो उसे भी नोट करें।

उदाहरण: घर का नाम क्या है - अजीत

लेख- "किसानों के लिए गैर-कृषि बीमा योजना की घोषणा" दिनांक 22 मार्च 2025

नोट: भारत सरकार ने किसानों के लिए एक नई फसल बीमा योजना शुरू की है। इस योजना के तहत,

किसानों को सूखा, अतिवृष्टि या अन्य प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान के लिए बीमा सहायता प्रदान की जाएगी। किसान एक छोटा सा प्रीमियम देकर अपनी फसलों की सुरक्षा कर सकते हैं। यह योजना 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी।

परिवर्तन:

पिछली योजना की तुलना में इस बार किसानों के लिए प्रीमियम कम किया गया है और मोबाइल ऐप के जरिए आवेदन करने की सुविधा भी बढ़ा दी गई है।

4. पक्षियों के पंखों पर छात्रों को अपने ऋण चुकाने में चूक करने से रोकने के लिए, कक्षा में कदम उठाएँ। इसका उद्देश्य है अपनी मनमानी मत करो.

पहला वाक्य है: "किसानों के सिर पर उगने वाले खरपतवार और खरपतवार से हम खुद को कैसे बचा सकते हैं?"

यह एक गंभीर और सामाजिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण मुद्दा है। किसान हमारा अन्नदाता है। वह हमारे लिए खेतों में मेहनत करता है और फसल उगाता है, लेकिन यह अफ़सोस की बात है कि अपनी मेहनत के कारण कई किसान अपनी जान गँवा रहे हैं। हम सभी को इस पर विचार करने की ज़रूरत है कि ऐसा क्यों हो रहा है और इसे कैसे रोका जा सकता है।

- नमस्ते-

- આશ્રય લેના।

- आइए हम सभी अपने अन्नदाताओं के बारे में सोचें, उनकी समस्याओं को समझें और उनके पक्ष में आवाज उठाएं।

मनदीप राउर (एस.एस.सी.एम.एस.टी.एस.) एस.आर.एस.एस. सरुल दखन, एल.के.धाना।